4923

संदर्भ: I-18015/3(आर टी आई)

दिनांक: 14/02/2018

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्
संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

NATIONAL COUNCIL OF SCIENCE MUSEUMS
Ministry of Culture, Govt. of India

सेवा मे,

श्रीमान उदय कौशिक

पूर्व चेयरमैन

दिल्ली सरकार तीर्थ यात्रा विकाश समिति

A-40/A, शिवहरि कॉम्प्लेक्स, मेन 100 फूटा रोड

कबीर नगर, दिल्ली - 110094

कार्यालय- 22592752, फ़ैक्स - 22592753

शीघ्र डाक सेवा

विषय: सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत

महोदय,

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत आपके द्वारा भेजे गये पत्र दिनांक 10.01.2018 ज्यो कि हमें दिनांक 17.01.2018 को प्राप्त हुई, संदर्भ में आवश्यक जानकारी नीचे दिया गया है :

उत्तर-1. राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (रा वि सं प) की स्थापना 4 अप्रैल 1978 को हुई थी। परिषद की स्थापना के समय इसके निम्न उद्देश्य थे:

(i) 1860 के सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम XXI के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसाइटी, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी. एस. आई. आर.) से निम्नलिखित तीन संग्रहालयों/केन्द्रों के प्रशासन व प्रबंधन का दायित्व, उनकी सम्पूर्ण परिसंपतियों और देयताओं के साथ, भले ही वो किसी प्रकृति की हों, ग्रहण करना।

(अ) बिड़ला औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक संग्रहालय, कलकत्ता

(आ) विश्वेश्वरैया औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक संग्रहालय, बंगलोर

(ई) नेहरू विज्ञान केन्द्र, बम्बई ।

(ii) उपर्युक्त तीन संग्रहालयों / केन्द्रों और उनके क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र का प्रशासन एवं संचालन

(iii) नये संग्रहालयों या विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग के केन्द्रों और राष्ट्रीय, राज्य एवं प्रखंड स्तरों पर वैसे सभी संस्थानों को स्थापित, नियंत्रित और प्रशासित करना ।

(iv) लोगों में वैज्ञानिक अभिरूचि एवं तेवर को विकसित करने एवं उनमें सामान्य जागरूकता निर्मित करने, अन्तर्निवेशित करने एवं उसे बनाये रखने के उद्देश्य से विज्ञान एवे प्रौद्योगिकी के विकास तथा उद्योग एवं मानव कल्याण में उनके उपयोग को दर्शाना ।

(v) विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण उल्लेखनीय वस्तुओं को एकत्र करना, संग्रहित एवं संरक्षित करना :

(vi) औद्योगिक पुरातत्व के पुरोवशेष को स्थल संग्रहालयों के रूप में संरक्षित करना:

(vii) विज्ञान शिक्षा एवं विज्ञान की लोकप्रियता के लिए विज्ञान संग्रहालय प्रदर्शों, प्रदर्श उपकरणों और शिक्षण उपकरणों को अभिकल्पित, विकसित और संरचित करना ।

(viii) प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, लोकप्रिय व्याख्यानों, विज्ञान शिविरों और अन्य अनेक कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों और आम लोगों की भलाई के लिए शहरों, उप नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की लोकप्रियता बढ़ाना ।

(ix) स्कूलों एवं कॉलेजों की विज्ञान शिक्षा को सम्पुष्ट करना और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और सृजनात्मकता की भावना को पोषित करने के लिए स्कूल से बाहर विविध शैक्षिक कार्यकलापों का आयोजन ।

(x) विज्ञान शिक्षकों / विद्यार्थियों / युवा उद्यमियों / तकनीकीविदों / विकलांग / गृहिणियों और अन्य लोगों के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं उद्योग के विशिष्ट विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाना ;

(xi) विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों, संग्रहालयों, स्कूलों एवं कॉलेजों एवं अन्य निकायों को योजना बनाने तथा विज्ञान संग्रहालयों को संगठित करने तथा संग्रहालय पेशे के लिए कार्मिकों के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करना;

(xii) विज्ञान प्रदर्शों एवं प्रदर्शन उपकरणों के विकास के लिए केन्द्रों का गठन;

(xiii) परिषद के कार्य कलापों से संबंधित क्षेत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मे अनुसंधान संचालित करना और आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों के आलोक में परम्परागत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना;

(xiv) अनुसंधान अध्येतावृत्तियों की व्यवस्था करना एवं उन्हें प्रदान करना तथा संबन्धित क्षेत्रों में विनिर्दिष्ट अनुसंधानों का वित्त पोषण करना;

(xv) भारतीय संदर्भ में विशेषत: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग के विकास से संबंधित अभिलेखों एवं दस्तावेजों को एकत्र, संगृहीत और संरक्षित करना और इसके लिए अभिलेखागार स्थापित करना;

(xvi) विज्ञान, प्रौद्योगिक एवं औद्योगिक संग्रहालयों और केन्द्रों से संबंधित सूचना प्राप्त करना एवं प्रसारित करना।

(xvii) सोसाइटी के लक्ष्य के अनुपालन में वाचन, अध्ययन कक्षा एवं संदर्भ पुस्तकालयों का गठन एवं रख-रखाव। इन पुस्तकालयों में पुस्तकें, समीक्षाएँ, पत्रिकाएँ, अखबार और अन्य प्रकाशनों को उपलब्ध कराना;

(xviii) संग्रहालय विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास और विज्ञान की लोकप्रियता के क्षेत्र में समर्पित वैज्ञानिक कागजों, पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन;

(xix) विदेशी वैज्ञानिक अभिकरणों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालयों / केन्द्रों तथा वैसे संस्थानों के साथ संग्रहालय पेशेवरों के आदान-प्रदान, अध्ययन दौरों, संग्रहालय विज्ञान और संग्रहालय अंकन के क्षेत्र के विशिष्ट भागों में प्रशिक्षण तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास, संयुक्त परियोजनाओं का संचालन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालयों / केन्द्रों और वैसे संस्थानों की स्थापना में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना एवं सोसाइटी के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुरूप अन्य विषयों हेतु करार करना;

षष्ठी घोषणा

(xx) सोसाइटी के उद्देश्य से आहरण व अंगीकरण, निर्माण व पुष्टि, छूट तथा भारत सरकार से बातचीत एवं अन्य प्रतिज्ञापत्रों, विनिमय बिलों, चेकों या अन्य परक्राम्य पत्रों के संबंध में व्यवस्था करना।

(xxi) शासकीय निकाय द्वारा समय-समय पर निर्धारित वैसी प्रतिभूति या उन विधियों के अनुसार सोसाइटी की निधि, उसके द्वारा प्राप्त राशि या न्यस्त राशि का निवेश करना, या वैसे निवेश की बिक्री करना या उसका अंतरण करना;

(xxii) सोसाइटी के उद्देश्य के लिए केन्द्र या राज्य सरकार, बैंक या अन्य वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त करना;

(xxiii) केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों, सीएसआईआर या अन्य सार्वजनिक निकायों, निगमों, कम्पनियों या व्यक्तियों से सोसाइटी के उद्देश्य के लिए अनुदान या धन प्राप्त करना;

(xxiv) सोसाइटी की सुविधा या आवश्यकता के अनुसार भारत में कहीं भी अवस्थित जमीन या भवन खरीदना, लीज पर लेना, उपहार या किसी अन्य रूप में स्वीकार करना;

(xxv) सोसाइटी के लिए आवश्यक किसी भवन का निर्माण करना या उसमें परिवर्तन लाना;

(xxvi) सोसाइटी की चल या अचल सम्पत्तियों के सम्पूर्ण भाग या किसी भाग की बिक्री करना, लीज देना, विनियम, उपहार, बंधक, लाइसेंस या किसी अन्य रूप में अंतरित करना;

(xxvii) सोसाइटी के उद्देश्य के लिए आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति करना एवं वेतन देना तथा भविष्य निधि, उपदान और अधिवर्षिता योजनाओं को वैसे कार्मिकों के भले के लिए बनाये रखना।

(xxviii) उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अन्य सभी प्रासंगिक या सहायक कार्य करना जिसे सोसाइटी या शासकीय निकाय आवश्यक समझे ।

इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु जो संघ का ज्ञापन बनाया गया है, उसकी हिन्दी प्रति रा वि सं प की हिन्दी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उत्तर-1 (क) परिषद मुख्यतः दो तरह की गतिविधियों में संलग्न है- (अ) विकासात्मक कार्य: इसके तहत विज्ञान संग्रहालय/केंद्र, दीर्घा, प्रदर्शनी, नवप्रवर्तन केंद्र इत्यादि का विकास करना और (आ) विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन: इसके तहत चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी, राष्ट्रीय विज्ञान नाट्य उत्सव, विज्ञान मेला, अभियांत्रिकी मेला, नवप्रवर्तन उत्सव इत्यादि का आयोजन। रा वि सं प अपनी इन दो तरह की गतिविधियों के माध्यम से देश में विज्ञान और नवप्रवर्तन की संस्कृति विकसित करने हेतु प्रयासरत है।

उत्तर-2. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परिषद ने मॉरीशस में एक विज्ञान केंद्र और कैंडी, श्रीलंका के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संग्रहालय में 'भारत' नामक दीर्घा का निर्माण किया है। मॉरीशस में स्थापित विज्ञान केंद्र के उद्देश्य निम्न हैं-

1. विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यकलापों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना।
2. मॉरीशस के लोगों के बीच सामान्य रूप से वैज्ञानिक क्षेत्रों में जागरूकता अंतर्निवेशित करना।

पृथ्वी छोपाल

3. विज्ञान प्रदर्शन व्याख्यान, विज्ञान मेलों, विज्ञान संगोष्ठियों एवं स्कूली विद्यार्थियों के लिए अन्य अग्रगामी कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा अनौपचारिक स्कूली शिक्षा को पूरक करना।

4. युवा वर्ग के बीच सृजनशीलता को अंतर्निवेशित करना।

5. जनसाधारण के बीच वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी की समझ को बढ़ाने के लक्ष्य से विज्ञान को लोकप्रिय बनाना।

श्रीलंका के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संग्रहालय में 'भारत' नामक दीर्घा की स्थापना के निम्न उद्देश्य हैं-

1. भारतीय बौध्य कला की महत्ता एवं उसमें मौजूद कला, भाव, मत, रंग के अति सूक्ष्म अंतर से दर्शकों को परिचित कराना और इसके द्वारा उन्हें 2300 वर्षों (300 ई.पू. से 2000 ईस्वी सन) की ऐतिहासिक यात्रा पर ले जाना।

2. दर्शकों में 'भारतीय बौद्ध विरासत' की समझ अंतर्निवेशित करना और इसके द्वारा सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना।

उत्तर-2 (क). उक्त जानकारी परिषद के पास उपलब्ध नहीं है।

उत्तर-3. रा वि सं प द्वारा तिब्बत में किसी केंद्र की स्थापना नहीं की गयी है।

उपर्युक्त दिये गए जानकारी से यदि आप संतुष्ट नहीं हैं तो आप प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपना निवेदन पेश कर सकते हैं। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के प्रथम अपीलीय प्राधिकारी का नाम, पता निम्नरूप हैं :-

श्री चंद्रकांत दास
सचिव एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारी
राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद
ब्लॉक-जी एन, सेक्टर-V, बिधान नगर
कोलकाता -700 091

धन्यवाद,

भवदीय,
षष्टी घोषाल
(षष्टी घोषाल)
उप नियंत्रक(प्रशासन) एवं केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी

विज्ञान संग्रहालय परिषद
ब्लॉक-जी.एन. सैक्टर-5, बिधान नगर
कोलकाता-700091
कार्यालय प्रति
संलग्न - हाँ / नहीं
दिनांक- 14/2/13
हस्ताक्षर-